भारत बनेगा इलेक्ट्रानिक्स सप्लाई चेन का अहम हिस्सा

अमेरिकी वाणिज्य मंत्री ने सहयोग का दिया भरोसा, कहा-दिल्ली को **भरोसेमंद टेक्नोलाजी पार्टनर** के तौर पर देखता है वाशिंगटन

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: अमेरिका भारत को सिर्फ सेमीकंडक्टर का बड़ा निर्माता बनने में ही मदद नहीं करेगा, बल्कि संपूर्ण इलेक्ट्रानिक्स उत्पादों की सप्लाई चेन का अहम हिस्सा बनने में भी अपना सहयोग देगा। शुक्रवार को भारत के साथ वाणिज्यिक वार्ता के बाद अमेरिका की वाणिज्य मंत्री जीना रेमांडो ने कहा कि वह भारत को एक भरोसेमंद टेक्नोलाजी पार्टनर के तौर पर देख रही है। उन्होंने कहा कि भारत में सेमीकंडक्टर के उत्पादन में जो कमी आएगी, उसकी पूर्ति अमेरिका करेगा। सेमीकंडक्टर निर्माण में सहयोग के लिए दोनों देशों के बीच एक करार भी हुआ।

अभी दुनिया में मुख्य रूप से तीन देश ही सेमीकंडक्टर का निर्माण करते हैं। इनमें पहले नंबर पर ताइवान है जो दुनिया में इस्तेमाल होने वाले 60 प्रतिशत सेमीकंडक्टर का उत्पादन करता है। अमेरिका और चीन भी सेमीकंडक्टर बनाते हैं। आइबीस्टन कंसल्टिंग समूह की एक रिपोर्ट के अनुसार, सेमीकंडक्टर दुनिया में चौथा सबसे ज्यादा बिकने वाला उत्पाद है। वर्ष 2019 में कुल सेमीकंडक्टर बिक्री का मूल्य 1.7 ट्रिलियन डालर था। अमेरिका और भारत के बीच चार वर्ष बाद वाणिज्यिक वार्ता हुई है और कोरोना महामारी की वजह से पिछले तीन वर्षों में दुनिया में हुए आर्थिक बदलाव के बीच वार्ता अहम मानी जा रही है। दोनों देशों ने दूरसंचार क्षेत्र में 6जी टेक्नोलाजी पर भी साथ काम करने की दिलचस्पी दिखाई।

- सेमीकंडक्टर निर्माण में सहयोग के लिए दोनों देशों के बीच हुआ करार
- सेमीकंडक्टर उत्पादन में जो भी कमी आएगी, उसकी पूर्ति करेगा अमेरिका

नई दिल्ली में शुक्रवार को संयुक्त प्रेसवार्ता के दौरान अमेरिका की वाणिज्य मंत्री जीना रेमांडो के साथ केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ● एएनआइ

> अमेरिका चीन से व्यापार को खत्म नहीं करेगा, लेकिन चीन अमेरिका से तकनीक लेकर उसे अपनी मिलिट्री में इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहा है। इसलिए अमेरिका चाहता है कि भारत संपूर्ण इलेक्ट्रानिक्स की सप्लाई चेन का अहम हिस्सा बने। दोनों देशों के संबंध काफी मजबूत आधार पर टिके हैं और इस सहभागिता के कई सकारात्मक परिणाम होंगे।
>
> -जीना रेमांडो, वाणिज्य मंत्री, अमेरिका

> कोरोना के दौरान वैक्सीन निर्माण में अमेरिका की तरफ से मदद दी गई और उसके बाद भारत ने विकासशील देशों को टीकों की आपूर्ति की। यह दर्शाता है कि भारत कैसे वैश्विक सप्लाई चेन का अहम हिस्सा बन सकता है। वैश्विक सप्लाई चेन का हिस्सा बनने के लिए भारत लगातार अपनी गुणवत्ता को सुधार रहा है और कोशिश है कि 90 प्रतिशत तक अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा करें।
>
> -पीयूष गोयल, वाणिज्य मंत्री, भारत

भारत-अमेरिका के बीच वाणिज्यिक वार्ता की खास बातें

- सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन और इनोवेशन सहभागिता के लिए दोनों के देशों के बीच एमओयू किया गया।
- टैलेंट, इनोवेशन और समावेशी विकास के लिए एक नए वर्किंग ग्रुप की शुरुआत। यह स्टार्टअप, एमएसएमई, स्किल डेवलपमेंट में एक-दूसरे को सहयोग करने का काम करेंगे।
- ट्रैवल व टूरिज्म के लिए फिर से वर्किंग ग्रुप की शुरुआत। इसके तहत दोनों देश नई संभावनाओं की तलाश करेंगे। वर्किंग ग्रुप क्षेत्र के एमएसएमई सेक्टर को अपना सहयोग देगा।
- वस्तु और सेवा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए अमेरिका का अमेरिकन नेशनल स्टैंडर्ड इंस्टीट्यूट और भारत का बीआइएस एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करेंगे।
- अमेरिका भारत में वर्ष 2024 में स्वच्छ ऊर्जा और पर्यावरण टेक्नोलाजी में सहयोग के लिए अपने वरिष्ठ अधिकारियों का एक मिशन भारत भेजेगा।
- भारत के ऊर्जा क्षेत्र में अवसरों की तलाश के लिए यूएस-इंडिया एनर्जी इंडस्ट्री नेटवर्क (ईआइएन) प्लेटफार्म का एलान।
- बायोफ्यूल के क्षेत्र में दोनों देश साथ काम करेंगे।